

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

प्रभावी अभियान

पहलगाम नरसंहार के बाद देशभर में फैले जबर्दस्त आक्रोश को मूर्त रूप देते हुए भारतीय सेना द्वारा चलाए 'ऑपरेशन सिटू' की उत्तीर्णी ही जबर्दस्त कामयाबी से थर्एण ए पाकिस्तान द्वारा शुक्र प्रैपोड वार भी बुरी तरह ध्वस्त हो रहा है। भारत के सर्वदायी संसदों के डेलीगेशनों द्वारा पाकिस्तान की नीचता और इस ऑपरेशन की वजह सामने रखने के बाद दुनिया के तमाम देश उसकी हकीकतों से तो रूबरू हो ही रहे हैं, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में एक नई लहर भी इस मुहिम से पैदा हो रही है। करीब चार साल पहले पाक के साथ आए रूबरू और आपातोर पर तटस्थ रहने वाले जापान के अलावा जर्मनी ने भी आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ स्पष्ट रूप से एक जुर्ता जाहिर करते हुए उसकी खबर ली है। तृप्तमूल सांसद अधिष्ठक बनर्जी का टोक्यो में यह कहना कि 'पाक ने ऐंब्रोज वाला कुत्ता पाल रखा है' पूरे घटनाक्रम की असलियत को उजागर कर देता है। मास्को में डीएमके सांसद कनिमेझी ने स्पष्ट रूप से कहा कि 'भारत के सामने और कोई विकल्प ही नहीं बचा था। हमने जवाब भी पूरी जिम्मेदारी से दिया'। इसी तरह कग्रेस सांसद शशि थस्त की अमुराई वाले डेलीगेशन ने टेररिज्ञ और उसके आका पाक की असलियों को उजागर किया है। इन प्रतिनिधिमंडलों के अलावा संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के गुप्तराह करने वाले आरों पर भी पलटवार करते हुए भारत का असलियत उजागर करे अधियान जारी है। सुरक्षा परिषद में भारतीय प्रतिनिधियों की दलीलों ने उसे पूरी तरह नंगा कर दिया है। विदेश मंत्री जयशंकर अपने तूफानी राजनीतिक अधियानों में पड़ेरी देश और आतंकवाद के साथ उसके गहरे जुड़ाव तथा दुनिया पर उसके पड़ने वाले विनाशकीय प्रभावों को सामने लाने की मुहिम जारी रखे हुए हैं। इन अधियानों की गंभीरता को तमाम देश अनुभव भी कर रहे हैं। उन्हें भी अच्छे से पता है कि अगर आतंकवाद का नियंत्रण शुरू होने लगा तो वे खुद भी निश्चने पर आ सकते हैं। अमेरिका जैसा महाबली देश खुद इसका भुक्तभोगी रह चुका है। भारत के अधियान इन अर्थों में पूरी तरह से सार्थक हैं कि इनसे पाक की वह असलियत पूरी तरह से सामने आ जाएगी जिसे वह पीड़ित होने का नाटक करके अभी तक सबसे छिपा रहा था। यह जरूरी भी है क्योंकि आतंकवाद की उसके द्वारा चलाई जा रही नसरी के दुनिया भर में फैलने का खतरा बढ़ रहा है।

यह कैसी ज्योति

वैसे तो देश में पुरुषों और महिलाओं सहित कई लोग पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में पकड़े जा चुके हैं लेकिन हरियाणा की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ में सामने आई वारों से पता चलता है कि वह गवर्नरी भरे समय में भीतर के दुश्मनों को पहचानना और उन पर नजर रखना कितना जरूरी है। इसका बाली इन वारों से स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों को पहचानना और उन पर नजर रखना कितना जरूरी है। 'ट्रैवल विडो' जाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति आईएसआई एंजेंटों से साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचैट के जरिये संपर्क में थी। यह तथ्य भी सामने आया है कि उन्हें एक पाक खुफिया अधिकारी को साथ गहरे संबंध बनाये और वह असलियत के लिए कर रहा था। ज्योति ने वह अपने एक पाक खुफिया अधिकारी को जासूसी में शामिल होने के बाद अपने एक पाक खुफिया एंजेंट के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधनशील जानकारियों भी साझा की थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंहूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियों भी थीं। जासूसी में शामिल होने के कारण केंद्र सरकार ने पिछले दिनों दानिश को अवालिन व्यक्ति घोषित किया और उसे देश छोड़ने का आदेश दिया। एक से अधिक बार पाकिस्तान जानकारियों भी साझा की थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंहूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियों भी थीं। जासूसी में शामिल होने के कारण केंद्र सरकार ने पिछले दिनों दानिश को अवालिन व्यक्ति घोषित किया और उसे देश छोड़ने का आदेश दिया। एक से अधिक बार पाकिस्तान जानकारियों भी साझा की थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंहूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियों भी थीं। जासूसी की गिरफ्तारी के थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कर्क वीडियोज ने भी खुफियों एंजेंटों का थाना खींचा, चाहे वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में इफतार की गठबंधन सेवा के बाद चलाने वाली गठबंधन में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतीक्रिया यादीयों के एंजेंटों से भारत से जुड़ी संबंधित जानकारियो

वट सावित्री व्रत का महत्व

वट वृक्ष की पूजा क्यों करती हैं सुहागिनें?

वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए एक अनुसार शुभ पर्व है जो इस वर्ष 26 मई 2025, सोमवार को मनाया जाएगा। यह दिन ज्येष्ठ मास की साप्तवाती अमावस्या के रूप में मनाया जाता है, जो ब्रह्म के फल को और भी अधिक शुभ बनाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, देवी सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से बराद के पेड़ के नीचे वापस लिए थे। उसी से यह व्रत पति की लंबी उम्र, अद्वितीय और सतान प्राप्ति के लिए रखा जाता है।

वट सावित्री व्रत के दौरान की जाने वाली पूजा

इस दिन महिलाएं सोलह श्रुगार करके वट वृक्ष की पूजा करती हैं।

पूजा में परिक्रमा की

जाती है और सावित्री-सत्यवान

की कथा सुनाई

जाती है। इसके बाद

सुहाग सामग्री का

दान भी किया जाता

है। इस साल व्रत के

दिन शनि जयंती का

योग भी बन रहा है,

जिससे इसका धार्मिक

महत्व और भव जाता है।

बरगद के पेड़ का धार्मिक महत्व

बरगद का पेड़ न केवल एक वृक्ष है

बल्कि हिंदू धर्म में यह एक जीवंत प्रतीक माना जाता है। इसे अक्षय वटवृक्ष कहा जाता है। धार्मिक माननाताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ में त्रिपूरि का निवास माना गया है। इसके जड़ों में ब्रह्मा, तने में विष्णु, और शाश्वतों में शिव का वास होता है। बरगद की लटकती हुई जटाएं मासावित्री के स्वरूप मानी जाती हैं, जो त्याग, तपस्या और संतान की देवी हैं। कहा जाता है कि यशों के राजा

हैं।

तो व्रत से एक दिन पहले आप किसी

सी मिट्टी घर ले आएं। इस मिट्टी को एक

साफ स्थान पर रखकर उसके

सावित्री, सत्यवान और यमराज की छोटी

मूर्तियों या चित्र स्थापित करें। ऊपर स्थान

को पूजा स्थान बनाते हुए पूरे श्राद्धा भाव

से पूजा करें। मिट्टी का वर्ष प्रतीकात्मक

रूप, वटवृक्ष की उपरिष्ठिक के समान ही

जाता है। यह दान श्रद्धा

और सौभाग्य का प्रतीक होता

है, जिससे प्रेमपूर्वक अर्पित किया जाता

है। मायता है कि इस व्रत से सुहाग

पर कोई स्कंदर नहीं आता और

सौभाग्य की रसा होती है। निवेद की

कृपा प्राप्त होती है, जिससे वैवाहिक

जीवन में सुख, शांति और प्रेम बना

रहता है। इस दिन का दान संसार सुख

की प्राप्ति में भी सहायक माना गया है।

इस दिन की पूजा और दान का विशेष

महत्व है, जो न केवल धार्मिक आस्था

को बढ़ाता है, बल्कि जीवन में सुख-

शांति और प्रेम का संरक्षण भी करता है।

बरगद के पेड़ के प्रतीकात्मक रूप, वटवृक्ष की उपरिष्ठिक के समान ही और यह

तो व्रत से एक दिन पहले आप किसी

पूजा के लिए विशेष महत्व

रखता है। इस व्रत के पीछे मान्यता है

कि सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे अपने

पति सत्यवान के प्राण यमराज से बराद

के पेड़ के अपाव वाट सावित्री कि पूजा

करना चाहती है। इसे में आप

पूजा के सारे पारंपरिक कर्म उमी डाली

हैं।

वट वृक्ष की मिट्टी घर लाकर करें पूजा

यदि आपके आस-पास वट वृक्ष नहीं हैं,

तो घर के पास एक वृक्ष

होता है। यदि आप भी इस खास दिन पर भोलेनाथ

और प्रसाद करना चाहते हैं, तो कुछ आसान लेकिन

जरूरतमंद चीजों का दान करते हैं। मायता

है कि मासिक शिवरात्रि का व्रत रखने

और विधिपूर्वक शिव पूजन करने से

भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है,

जिससे जीवन में सुख-समृद्धि का आपान

होता है। यदि आप भी इस खास दिन पर भोलेनाथ

और प्रसाद करना चाहते हैं, तो कुछ आसान लेकिन

प्रभावशाली त्याग जरूर करें।

यह कि इन उपायों को करने से विवाह में

आ रही अड़चने दूर होती है और योग्य जीवनसाथी

की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं मासिक

शिवरात्रि के दिन किए जाने वाले खास उपायों



शिव का वास होना है। कहा जाता है कि वट सावित्री व्रत के दौरान बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश विद्यमान हैं।

मायता है कि इस पेड़ की

जड़ें ब्रह्मा, तना विष्णु की

अनुसार, जैसे रोली,

चतुर्वेद, पूर्ण, फल, मिठाएं, धूप-

बत्ती, और चट्टा चतुर्वेद विद्यमान की

मायता है कि इस पेड़ की

जड़ें नीचे एकत्र होकर व्रत कथा का

श्रवण करें। पिर, बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

कच्चे सूत को बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

पूरे 11:41 का

कथाओं के अनुसार, जैसे रोली,

चतुर्वेद, पूर्ण, फल, मिठाएं, धूप-

बत्ती, और चट्टा चतुर्वेद विद्यमान की

मायता है कि इस पेड़ की

जड़ें नीचे एकत्र होकर व्रत कथा का

श्रवण करें। पिर, बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

कच्चे सूत को बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

पूरे 7:41 का

कथा को अनुसार, जैसे रोली,

चतुर्वेद, पूर्ण, फल, मिठाएं, धूप-

बत्ती, और चट्टा चतुर्वेद विद्यमान की

मायता है कि इस पेड़ की

जड़ें नीचे एकत्र होकर व्रत कथा का

श्रवण करें। पिर, बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

कच्चे सूत को बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत करें।

पूरे 3:51 का

कथा को अनुसार, जैसे रोली,

चतुर्वेद, पूर्ण, फल, मिठाएं, धूप-

बत्ती, और चट्टा चतुर्वेद विद्यमान की

मायता है कि इस पेड़ की

जड़ें नीचे एकत्र होकर व्रत कथा का

श्रवण करें। पिर, बरगद के वृक्ष को जल

चतुर्वेद और गोला-चंदन से तिक्कत

